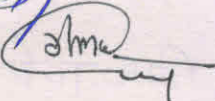
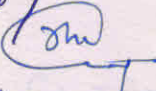
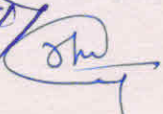
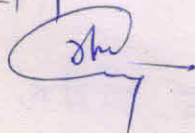


तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

- 11-2-17 पत्न्याली राष्ट्रीय लोक अदालत में पेश हुई
वापस बहल आठ वग पत्न्याली रिजक
9-3-17 को पेश हो।

- 9-3-17 वकील आर्थी उपस्थित वापस बहल आठ वग
पत्न्याली 16-3-17 को पेश हो।

- 16-3-17 वकील आर्थी उपस्थित वापस बहल आठ वग
अपस पेश गया वापस बहल 12-4-17 को
पेश हो।

- 12-4-17 वकील आर्थी उपस्थित । वकील आर्थी की एक
पक्षीय बहल सुनी गयी । वास्तु निर्णय पत्न्याली
रिजक 14.04.17 को पेश हो।


उपखण्ड अधिकारी, लाखेरी, बून्दी

प्रकरण सं. 124/2015

पीणसीन अधिकारी - गारिमालाटा R.A.S.

- उनवान -
1. धर्मराज आ. देवा जाति भीणा निवासी बहडावली तहसील इन्द्रगढ़.
 2. हेमराज आ. देवा जाति भीणा निवासी बहडावली तहसील इन्द्रगढ़.
 3. मोहनप्रकाश आ. देवा जाति भीणा निवासी बहडावली तहसील इन्द्रगढ़.
 4. छीलया आ. गोरधन जाति भीणा निवासी बहडावली तहसील इन्द्रगढ़ जिला बून्दी राजस्थान
- बनाप
- प्रार्थीगण

1. नैरु आलमज गे-दया जाति भीणा निवासी बहडावली तहसील इन्द्रगढ़ बून्दी
 2. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार इन्द्रगढ़ जिला बून्दी राजस्थान
- अप्रार्थीगण

प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

(Signature)
उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी (बून्दी)

निर्णय

21.04.17

इस प्रकरण में संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थीगण द्वारा धारा 212 राज. काश्त. अधिनियम के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र पेश किया गया कि प्रार्थीगण के स्वतंत्र व कब्जे काश्त की कृषि भूमि स्वतंत्र सं. 48 स्वसरा नं. 731 रकबा 0.15 है. , स्वसरा नं. 732#

क्रमशः

कृपश :

रकबा 0.15 है. कित 2 थोग रकबा 0.30 है. कटेयर कृषि भूमि ताके ग्राम
 बटवाली तहसील इन्डगाड़ जिला बून्दी राजस्थान में स्थित है जिसमें
 प्रार्थीगण स्वादेवर कृषक है वास्ते उमाण नकल जबाबन्दी 2071-2074
 चेखा है। उक्त कृषि भूमि के पास अप्रार्थी नं. 1 का मकान है। अप्रार्थी
 का रास्ता स्कूल के पीछे होकर है उक्त रास्ता करीब 20 फीट चौड़ा
 है जिसका उपयोग अप्रार्थी व अन्य व्यक्ति करते हैं। अप्रार्थी नं. 1 ने
 प्रार्थीगण के खेत में होकर बहते बरसाती पानी के रास्ते पर रेवड़ी डाल
 कर खेत से पानी निकासी का रास्ता बन्द कर दिया जिससे प्रार्थीगण
 की फसल को पानी से नुकसान होता है और अप्रार्थी नं. 1 प्रार्थीगण
 के खेत के मध्य से रास्ता निकालना चाहता है। जबकि राजस्व रिकार्ड
 में प्रार्थीगण के खेत में किसी तरह का कोई रास्ता नहीं है। अप्रार्थी
 ने दिनांक 1.09.2015 को गांव के व्यक्तियों को लेकर रास्ता
 निकालने के लिये प्रार्थीगण के खेत की मेर पर लगी कांटो की
 बाड़ व पत्थर हटाने की कौशिश की जिसको प्रार्थीगण ने मोकै
 पर पहुँचकर रोका वरना अप्रार्थी जबरन ताकत के बल पर प्रार्थीगण
 की कृषिभूमि में रास्ता निकाल लेता। अप्रार्थी ने प्रार्थीगण को धमकी
 दी है कि मैं तुम्हारी कृषि भूमि रक. नं. 731, 732 में होकर रास्ता
 निकालकर रहूंगा यही वाद का कारण है। अप्रार्थी ने इस हेतु
 ग्राम पंचायत में प्रार्थना पत्र दिया था। परन्तु राजस्व रिकार्ड में रास्ता
 नहीं होने से ग्राम पंचायत ने अप्रार्थी नं. 1 का सहयोग करने से मना
 कर दिया। अप्रार्थी का रास्ता उपलब्ध होने पर भी अप्रार्थी जबरन
 प्रार्थीगण के खेत में से होकर रास्ता बनाना चाहता है जिसका
 अप्रार्थी को कोई हक अधिकार नहीं है। अतः प्रार्थना पत्र अस्थायी
 निषेधाज्ञा पेश कर निवेदन है कि अप्रार्थी नं. 1 को तर्फसला वाद
 अप्रार्थी अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द फारमाया जावे कि वो प्रार्थना
 पत्र की वर्णित कृषि भूमि से बरसाती पानी के निकासी को नहीं रोके
 और प्रार्थीगण की कृषि भूमि में ताकत के बल पर रास्ता नहीं बनावे,

उपखण्ड अधिकारी
 लाखेरी (बून्दी)

कृपश :

क्रमशः

काष्ठ व्यवस्था में परवल नहीं देते । ऐसा न तो स्वयं करें न ही अपने किसी ऐजेंट या प्रतिनिधी से करवाये ।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया । अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया । अप्रार्थी सं. 1 व उसके अधिवक्ता नियत पेशी पर अनुपस्थित रहने से एक पक्षीय कार्यवाही अदालत में लाई गई । नियत पेशी पर प्रार्थीगण के अधिवक्ता की एक पक्षीय बहस सुनी गई । दौराने बहस विधान अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को पेश करते हुए कथन किया कि प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र प्रथम दृष्टया प्रमाणित है और अपूर्णिय क्षति व सुविधा का संतुलन भी प्रार्थी के पक्ष में है इससे अस्थायी निषेधाज्ञा जारी किये जाने से अप्रार्थी को कोई नुकसान नहीं होगा जबकि प्रार्थीगण को अस्थायी निषेधाज्ञा जारी नहीं किये जाने की दशा में ऐसी अपूर्णिय क्षति होगी जिसकी पूर्ति सम्भव नहीं है ।

इतने पत्रावली का अवलोकन किया व बहस पर मनन किया ।
ज्यायालय का निर्णय निम्न प्रकार है -

प्रथमदृष्टया मामला व सुविधा का संतुलन - प्रार्थीगण का कथन है कि स्वात सं. 48 खसरा नं. 731 व 732 कृषि भूमि वाले ग्राम बहजवली स्वातदार दर्ज है जो प्रार्थना पत्र के साथ पेश कि गयी जमाबंदी संवत् 2071-2074 की जोयेउति से स्तानित होता है । अतः प्रथम दृष्टया मामला व सुविधा का संतुलन प्रार्थीगण के पक्ष में सिद्ध होता है ।

अपूर्णिय क्षति - चूंकि प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थीगण के पक्ष में है । अतः प्रार्थना पत्र में उठाए गए बिन्दुओं के आधार पर विवादित आशजी के संबंध में अस्थायी निषेधाज्ञा जारी नहीं की जाती है तो अपूर्णिय क्षति प्रार्थीगण को होगी ।

उक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण स्वीकार किया जाता है । अप्रार्थी को तार्किकता वाद अर्थ अस्थायी निषेधाज्ञा से

क्रमशः

30

उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी (सुदूर)

कृपया:

पाठ्य किताबें कि श्रवण सं. ५९ के श्रवण नं. ७३१ रकबा ०.१५ ई. श्रवण नं. ७३२ रकबा ०.१५ ई. में किसी उकार का रास्ता न बनावे व काश्त व्यवस्था में फरक न देवे ऐसा व तो स्वयं करे नही अपने किसी प्रतिनिधि से करावे । पत्रावली जसल शुभार होकर संलग्न मूलवाप रहे ।

आदेश आज दिनांक २७.०५.२०१७ को खुले न्यायालय में सुनाया गया ।



उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी (बून्दी)